

GIRLS COLLEGE, SADULSHAHAR

राजकीय महिला महाविद्यालय, सादुलशहर

Near Bus Stand Sadulshahar

Distt. Sriganganagar, Rajasthan 335062

Phone : 01503-224001

<https://hte.rajasthan.gov.in/college/gcsadulshahar>

Email. : rmmstds@gmail.com



नजदीक बस स्टैण्ड सादुलशहर

जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335062

फोन : 01503-224001

<https://hte.rajasthan.gov.in/college/gcsadulshahar>

Email. : rmmstds@gmail.com

रिपोर्ट


दिनांक: 13.01.2024

“मैं भी वैज्ञानिक हूँ” के अन्तर्गत

रसोई फल सब्जी कचरे से जैविक खाद बनाना

राजकीय महिला महाविद्यालय प्रांगण में प्राचार्य श्रीमती पूनम दत्ता की अध्यक्षता में मैं भी वैज्ञानिक हूँ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ० इरविन्द्र कौर, सहआचार्य, वनस्पतिविज्ञान द्वारा छात्राओं को अपने गार्डन को हरा-भरा बनाने के लिये किचन के कचरे से जैविक खाद बनाने की विधि समझाई। इसमें छात्राओं को बताया गया कि किस प्रकार नाईट्रोजन युक्त हरी वस्तुओं जैसे सब्जी के छिलके आदि ओर कार्बन युक्त सूखी सामग्री जैसे सुखे पते। कागज कार्डबोर्ड से हम जैविक खाद बना सकते हैं तथा साथ ही हम अपने वातावरण को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग दे सकते हैं।

कार्यक्रम में डॉ० रणजीत कौर, डॉ० मनिन्द्रजीत कौर, श्री गुरमीत सिंह, श्रीमती प्रियंका, श्री रूप राम, श्रीमती नम्रता सुखीजा व श्रीमती रजनी ज्याणी, सहित अन्य स्टाफ सदस्य व छात्राएं उपस्थित रही।


प्राचार्य
राजकीय महिला महाविद्यालय
सादुलशहर

जैविक खाद बनाने की विधि के बारे में जानकारी दी

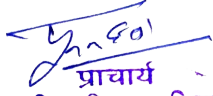


सादुलशहर. 'मैं भी वैज्ञानिक हूँ' कार्यक्रम में कचरे से खाद बनाने की विधि की जानकारी देती सह-आचार्य।

राजस्थान पत्रिका

सादुलशहर. राजकीय महिला महाविद्यालय में मैं भी वैज्ञानिक हूँ कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को प्राचार्य डॉ. पूनम दत्ता की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में सह-आचार्य डॉ. इरविन्द्र कौर ने छात्राओं को बगीचे को हरा-भरा बनाने के लिये रसोई के कचरे से जैविक खाद बनाने की विधि के बारे में जानकारी दी। छात्राओं को जानकारी दी कि किस प्रकार

नाईट्रोजन युक्त वस्तुएं, जिनमें हरी सब्जी के छिलके आदि व कार्बन युक्त सूखी सामग्री, जिनमें सूखे पत्ते, कागज कार्ड बोर्ड से जैविक खाद बना सकते हैं व साथ ही वातावरण को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग दे सकते हैं। कार्यक्रम में सह-आचार्य डॉ. मनिन्द्रजीत कौर, गुरमीत सिंह, प्रियंका, रूपराम, नम्रता सुखीजा, रजनी ज्याणी आदि उपस्थित थे।


प्राचार्य
राजकीय महिला महाविद्यालय
सादुलशहर

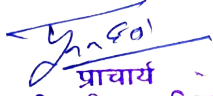
एडीएम श्रीमती बिश्नोई ने बत
कार्यक्रम डॉ एपीजे अब्दुल व

लोक सम्मत

रसोई फल सब्जी कचरे से जैविक खाद बनाने की दी जानकारी



सादुलशहर (प्रमोद गोयल)। राजकीय महिला महाविद्यालय प्रांगण में प्राचार्य डॉ पूनम दत्ता की अध्यक्षता में मैं भी वैज्ञानिक हूं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. इरविन्द्र कौर, सहआचार्य, वनस्पतिविज्ञान द्वारा छात्राओं को अपने गार्डन को हरा-भरा बनाने के लिये किचन के कचरे से जैविक खाद बनाने की विधि समझाई। इसमें छात्राओं को बताया गया कि किस प्रकार नाइट्रोजन युक्त हरी वस्तुओं जैसे सब्जी के छिलके आदि ओर कार्बन युक्त सूखी सामग्री जैसे सुखे पते। कागज कार्डबोर्ड से हम जैविक खाद बना सकते हैं तथा साथ ही हम अपने वातावरण को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग दे सकते हैं। कार्यक्रम में डॉ. रणजीत कौर, डॉ. मनिन्द्रजीत कौर, श्री गुरमीत सिंह, श्रीमती प्रियंका, श्री रूप राम, श्रीमती नम्रता सुखीजा व श्रीमती रजनी ज्याणी, सहित अन्य स्टाफ सदस्य व छात्राएं उपस्थित रही।


प्राचार्य
राजकीय महिला महाविद्यालय
सादुलशहर

मैं भी वैज्ञानिक हूँ कार्यक्रम के तहत राजकीय महिला महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

सवेरा न्यूज/सेटी सादुलशहर : शासन सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान सरकार की अनुपालना में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के सम्बन्ध में राजकीय महिला महाविद्यालय में आज



राजकीय महाविद्यालय में छात्राओं को जानकारी देते हुए प्रिंसिपल।

प्राचार्य डा. पूनम दत्ता की अध्यक्षता में मैं भी वैज्ञानिक हूँ कार्यक्रम के तहत छात्राओं को प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर विधि को सह आचार्या डा. रणजीत कौर ने प्रदर्शित किया। इस विधि द्वारा आपात स्थिति में बेहोश व्यक्ति को कृत्रिम श्वसन प्रदान कर तुरन्त प्राथमिक चिकित्सा दी जा सकती है जो कि दैनिक जीवन में बहुउपयोगी है। कार्यक्रम में डा. इरविन्द्र कौर, गुरमीत सिंह, कुलदीपसिंह, श्रीमती प्रियंका, श्रीमती रजनी तथा अन्य संकाय सदस्य व छात्राएं उपस्थित रहे। इसी कड़ी में रसोई फल सब्जी कचरे से जैविक खाद बनाना भी प्राचार्य श्रीमती पूनम दत्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डा. इरविन्द्र कौर, सहआचार्य, वनस्पतिविज्ञान द्वारा छात्राओं को अपने गार्डन को हरा-भरा बनाने के लिये किचन के कचरे से जैविक खाद बनाने की विधि समझाई। इसमें छात्राओं को बताया गया कि किस प्रकार नाइट्रोजन युक्त हरी वस्तुओं जैसे सब्जी के छिलके आदि ओर कार्बन युक्त सूखी सामग्री जैसे सुखे पते। कागज कार्डबोर्ड से हम जैविक खाद बना सकते हैं तथा साथ ही हम अपने वातावरण को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग दे सकते हैं। कार्यक्रम में डा. रणजीत कौर, डा. मनिन्द्रजीत कौर, गुरमीत सिंह, श्रीमती प्रियंका, रूप राम, श्रीमती नम्रता सुखीजा व श्रीमती रजनी ज्याणी, सहित अन्य स्टाफ सदस्य व छात्राएं उपस्थित रही।